



22130094



HINDI A: LITERATURE – HIGHER LEVEL – PAPER 2
HINDI A : LITTÉRATURE – NIVEAU SUPÉRIEUR – ÉPREUVE 2
HINDI A: LITERATURA – NIVEL SUPERIOR – PRUEBA 2

Monday 13 May 2013 (morning)

Lundi 13 mai 2013 (matin)

Lunes 13 de mayo de 2013 (mañana)

2 hours / 2 heures / 2 horas

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied and compare and contrast these works in response to the question. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.
- You are not permitted to bring copies of the works you have studied into the examination room.
- The maximum mark for this examination paper is *[25 marks]*.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. En basant votre réponse sur au moins deux des œuvres de la troisième partie que vous avez étudiées, vous devez comparer et opposer ces œuvres dans le cadre du sujet. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la troisième partie n'obtiendront pas une note élevée.
- Vous n'êtes pas autorisé(e) à apporter des exemplaires des œuvres que vous avez étudiées dans la salle d'examen.
- Le nombre maximum de points pour cette épreuve d'examen est *[25 points]*.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Conteste una sola pregunta de redacción. Base su respuesta en al menos dos de las obras estudiadas de la Parte 3, comparándolas y contrastándolas en relación con la pregunta. Las respuestas que no se basen en al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán una puntuación alta.
- No está permitido traer copias de las obras estudiadas a la sala de examen.
- La puntuación máxima para esta prueba de examen es *[25 puntos]*.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं के संदर्भ एवं तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित हो। यदि आपका उत्तर भाग 3 की पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं पर आधारित नहीं होगा तो आपको उच्च अंक नहीं मिलेगा।

कविता

1. “कविता का स्वर युग की माँग एवं परिस्थिति के अनुसार बदलता रहता है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं की तुलना के आधार पर अंतर स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार युग की माँग एवं परिस्थितियों का प्रभाव उनकी रचना एवं शैली पर पड़ा है।”
2. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं की छंद शैली के आधार पर कवियों द्वारा प्रयुक्त साधनों की तुलना करते हुए कविता में प्रयुक्त दोहे, चौपाई, सवैये अथवा इनसे मुक्त शैली के प्रभाव की तुलना कीजिए एवं अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. कविता अपने प्रथम झलक में अपनी पहचान छोड़ जाती है। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कवियों की कविताओं की पंक्तियों, प्रस्तुतीकरण एवं विशेषताओं के आधार पर उसके विचार पक्ष एवं भाव सौन्दर्य पर विवेचना कीजिए।

उपन्यास

4. एक सफल उपन्यास को रोचक बनाए रखने में “परस्पर विरोधी विचारों एवं संघर्षों” का महत्त्वपूर्ण स्थान है। अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों की तुलना के आधार पर बताइए कि “विरोधी विचार अथवा आंतरिक एवं बाह्य संघर्ष” का प्रयोग एक साधन के रूप में किस सीमा किया है ?
5. नारी पात्रों एवं नारी जीवन की भूमिका एवं महत्त्व को उपन्यासकारों ने अपने उपन्यासों में किस प्रकार प्रस्तुत किया है? नारी जीवन के प्रति रचनाकारों के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिए रचनाकारों द्वारा प्रयुक्त साधनों की तुलना कीजिए।
6. अपने पढ़े हुए कम से कम दो उपन्यासों के आधार पर बताइए कि रचनाकारों ने किस प्रकार समय का उपयोग उपन्यास के कथाक्रम को आगे बढ़ाने के लिए किया है।

कहानी

7. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानीकारों के सन्दर्भ में कहानीकारों के कहानी कहने के ढंग की तुलना करते हुए उनकी भाषा शैली के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।
8. कहानी में घटनाएँ कम और परिस्थिति के प्रति प्रतिक्रियाएँ अधिक होती हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानीकारों की रचनाओं की तुलना के आधार पर बताइए कि रचनाकारों ने अपने दृष्टिकोण को किस प्रकार व्यक्त किया है ?
9. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो कहानीकारों के आधार पर बताइए कि उन्होंने किस सीमा तक शहरी अथवा ग्रामीण परिवेश का उपयोग कथाक्रम को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में किया है।

नाटक एवं एकांकी

10. “समाज को जगाने में नाटक सबसे प्रबल सिद्ध होता है।” आपने कम से कम जिन दो नाटकों को पढ़ा है, उनके नाटककारों ने सामाजिक जागृति फैलाने में संवाद का किस प्रकार उपयोग किया है।
11. नाटक में बाह्य संघर्ष अथवा आंतरिक संघर्ष की प्रस्तुति की प्रधानता रहती है। जिन दो या तीन नाटकों को पढ़ा है, उनके नाटककारों ने अपने नाटकों में विकास में बाह्य संघर्ष अथवा आंतरिक संघर्ष की प्रस्तुति का किस सीमा तक सफलतापूर्वक उपयोग किया है ?
12. “नाटक का अंत नाटककार किसी ऐसे मोड़ पर कर देता है जहाँ पाठक तथा दर्शक अपने-अपने दृष्टिकोण से उसका अलग-अलग अर्थ समझते हैं।” आपने कम से कम जिन दो नाटकों को पढ़ा है, उसके अंत की तुलना के आधार पर बताइए कि किस प्रकार नाटककारों ने अपने नाटकों का अंत किया एवं इस अलग अलग प्रभाव दर्शकों पर पड़ा है।

निबंध, आलोचना एवं यात्रा वृत्तांत

13. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर बताइए कि रचनाकारों ने अपनी रचनाओं को सफल बनाने के लिए “हास्य एवं व्यंग्य” को साधन के रूप में अपनाया ?
 14. अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं की तुलना के आधार पर बताइए कि रचनाकारों ने अपने दृष्टिकोण से प्रभावित करने के लिए किर्न-किन साधनों व तकनीक का प्रयोग किया है ?
 15. निबंध में संस्मरण एवं व्यक्तिगत अनुभव लेखकों के रचना को सफल एवं प्रभावोत्पादक बनाने में महत्वपूर्ण हैं। अपनी पढ़ी हुई कम से कम दो रचनाओं के आधार पर लेखकों द्वारा प्रयुक्त उनके व्यक्तिगत अनुभव एवं संस्मरण की विवेचना कीजिए।
-